मैं हार गई

हेनरी जेम्स

लेखक के विषय में

हेनरी जेम्स का जन्म 1843 में न्यू-यॉर्क सिटी में हुआ था. जीवन के शुरू के वर्ष उन्होंने यूरोप में बिताये. 1860 में वह अमेरिका लौटे और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में शिक्षा ग्रहण की. फिर 1869 में सदा के लिए इंग्लैंड आ गये, हालंकि उनके मित्रों के अनुसार वो एक सच्चे अमेरिकन थे.

यूरोप और अमेरिका में रहने के कारण जो कहानियाँ उन्होंने लिखीं उन्हें "अंतर्राष्ट्रीय उपन्यास" कहा जाता है. इन कहानियों के मुख्य पात्र अक्सर अपने देश से बाहर रहते हैं. 'डेज़ी मिलर,' पोर्ट्रेट ऑफ़ ए लेडी' और 'अम्बैस्सडर्स' उनके साहित्य के कुछ उत्कृष्ट उदाहरण हैं.

दूसरी ओर द टर्न ऑफ़ द स्क्रू एक रहस्य कथा है. यह कहानी पाठक के सामने कई प्रश्न खड़े कर जाती है जिनके उत्तर कहानी में नहीं हैं.

हेनरी जेम्स का निधन 1916 में हुआ था. उन्हें अमेरिका के उन्नीसवीं शताब्दी के सर्वश्रेठ लेखकों में गिना जाता है.

मैं हार गई

हेनरी जेम्स

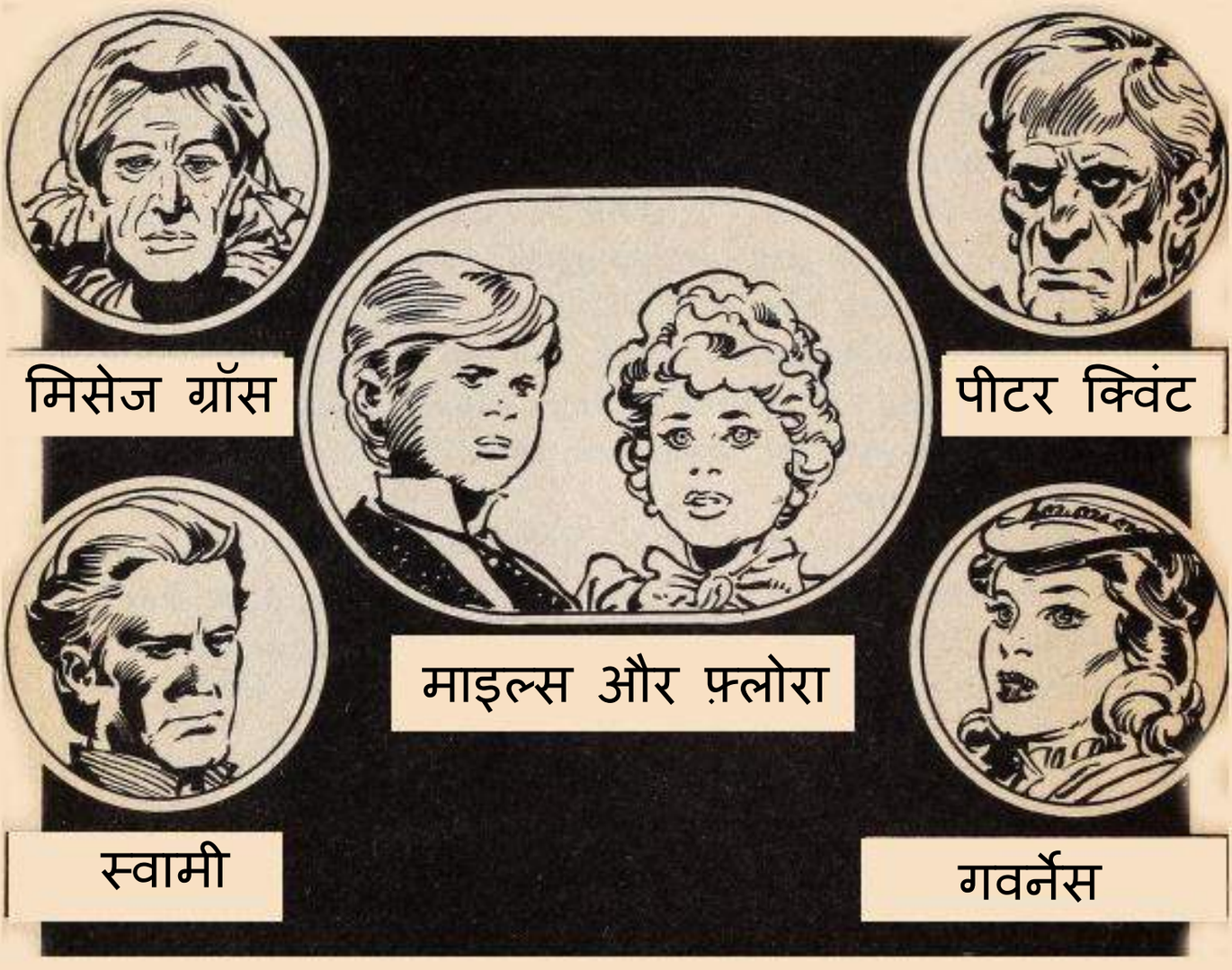

क्या मरने के बाद कुछ लोग भूत बन कर जीवित लोगों को सताते हैं?
क्या लोग प्रेत-आत्माओं को देख सकते हैं और उनसे बातें कर सकते है? या भूत प्रेत हमारे भयभीत मन की कोरी कल्पना हैं
क्या यह एक भूत-कथा है या नहीं? आप इस कहानी को पढ़ कर स्वयं ही निर्णय लें.

क्रिसमस की पूर्व-संध्या पर कुछ लोग आग के पास बैठे भूतों की कहानियाँ सुना रहे थे.

डगलस, तुम ने वादा किया था. आज वह कहानी सुनाओ.

मैं चेतावनी दे रहा हूँ आपको मेरी कहानी अच्छी नहीं लगेगी.

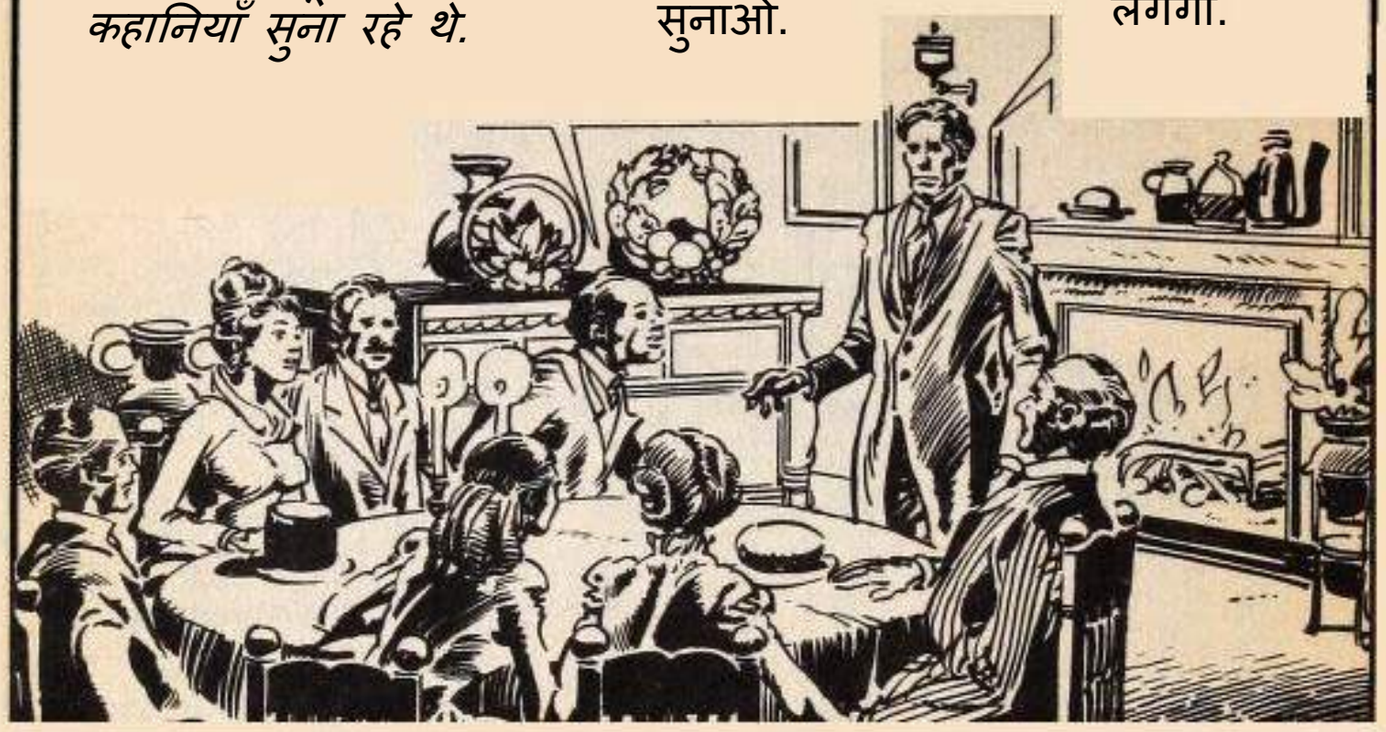

मेरी जानकारी में यह एक अकेली घटना है जिसमें एक छोटे बच्चे ने भूत देखा था. वह अपनी माँ के साथ सोया था, जब डर कर उसने अपनी माँ को जगाया. माँ ने भी भूत देखा.

माँ! माँ!

अगर एक बच्चे की कहानी आपके रोंगटे खड़े कर दे तो दो बच्चों की ऐसी कहानी को आप क्या कहेंगे?

दो बार रोंगटे खड़े कर देना! अब यह कहानी हम अवश्य सुनेंगे.

यह कहानी मैंने पहले कभी नहीं सुनाई.

शुरू से सुनाइये.

मैं अभी नहीं सुना पाऊँगा. यह कहानी लिख कर रखी हुई है. मुझे घर से मंगवानी पड़ेगी.

डगलस ने पांडुलिपि मंगवाई. तीन रातों बाद कहानी सुनने के लिये सब फिर इकट्ठे हुए.

जिस महिला ने यह लिखी थी वह मेरी बहन की गवर्नेस थी. अब वह जीवित नहीं है.

मैं कॉलेज से घर आया हुआ था जब पहली बार उसने मुझे सुनाई थी.

मैंने आजतक यह कहानी किसी को नहीं सुनाई.

गवर्नेस की नौकरी पाने के लिये वह लंदन गयी हुई थी.

ठक-ठक.

KNOCK KNOCK

एक युवक ने उसे उन बच्चों के विषय में बताया था जिन की वह गवर्नेस बनने वाली थी.

मैं उन बच्चों का चाचा हूँ. उन बच्चों का अकेला संबंधी.

जी, मैं समझ रही हूँ.

बच्चे गाँव की हवेली में रहते हैं. वहां बहुत नौकर-चाकर हैं. लेकिन बच्चों की देख-भाल करने के लिये एक गवर्नेस चाहिये, जो आपके जैसी युवती हो.

जो युवती गवर्नेस का काम करती थी उसकी मृत्यु हो गयी है. अब उन्हें तुरंत एक गवर्नेस चाहिये.

तुम्हारे लिये बस एक नियम है. न कभी मुझे पत्र लिखोगी, न ही कभी परेशान करोगी. मैं बहुत व्यस्त रहता हूँ

यह कठिन काम है, पर मैं कर लूंगी.

अब आगे की कहानी मैं पढ़ कर ही सुनाता हूँ.

गाँव तक की लंबी यात्रा करते समय मैं चिंतित थी कि क्या मैंने सही निर्णय लिया था.

लेकिन हवेली को देखकर मुझे अच्छा लगा.

जैसा मैंने सोचा था यह उससे अधिक विशाल और आलीशान है.

हाउस-कीपर मिसेज़ ग्रॉस और मेरी एक विद्यार्थी, फ्लोरा, ने मेरा स्वागत किया.

ओह मिस, मुझे ख़ुशी है कि आप आ गयीं.

कितनी प्यारी बच्ची है. आइये, हम आपको आपका कमरा दिखा दें.

यह कमरा तो इस घर के शानदार कमरों में से एक होगा.

जी मिस. !

शाम का नाश्ता उत्तम था.

इतनी सुंदर बच्ची मैंने आज तक नहीं देखी. क्या इसका भाई भी ऐसा ही है?

अगर यह आपको इतनी अच्छी लगी है तो वह लड़का आपको मोहित ही कर देगा.

वह बोर्डिंग स्कूल से कल वापस आ रहा है न?

कल नहीं, उसकी छुट्टियाँ तो शुक्रवार को शुरू होंगी.

अगले दिन फ्लोरा मुझे सारा घर दिखाने ले गई.

मित्रता करने का यह कितना अच्छा तरीका है!

यह तो परी-लोक के महल जैसा है! और इसकी देखरेख मुझे करनी है.

लेकिन उसी शाम एक पत्र पा कर मैं घबरा गयी.

यह बच्चो के चाचा का है. 'एक पत्र भेज रहा हूँ जिसे मैंने नहीं पढ़ा. यह माइल्स के स्कूल से आया है. इसका निपटारा करो. मुझे जानकारी देने की आवश्यकता नहीं'.

पत्र पढ़ कर मेरी तो नींद उड़ गई.

माइल्स को स्कूल से घर भेजा जा रहा है. वह अब स्कूल वापस नहीं जा सकता है.

सुबह मैंने मिसेज़ ग्रॉस से बात की.

माइल्स को स्कूल से निकाल दिया गया है. क्या वह एक बुरा लड़का है?

उन्होंने क्या लिखा? क्या शिकायत की?

उन्होंने कुछ लिखा नहीं. शायद उन्हें लगता है कि माइल्स बच्चों पर गलत प्रभाव डाल रहा है.

ऐसा नहीं है. वह सिर्फ दस वर्ष का है.

एक बार उससे मिल लें, फिर किसी बात का विश्वास करें. फ्लोरा के बारे में क्या ऐसा सोच सकती हैं?

क्या वह कभी भी बुरा बर्ताव नहीं करता?

हाँ, वह थोड़ा नटखट है जो स्वाभाविक ही है.

आपको उत्साही लड़के अच्छे लगते हैं! मुझे भी!

जब यह बात चल रही थी तो मैंने एक बात पूछी.

उन्हें? आप किस की बात कर रही हैं?

उन्हीं की जो इस घर के स्वामी हैं.

मुझे उस गवर्नेस के बारे में बतायें जो पहले यहाँ थी.

वह सुंदर युवती थी, मिस....आपकी तरह. वैसी ही जैसी उन्हें पसंद हैं.

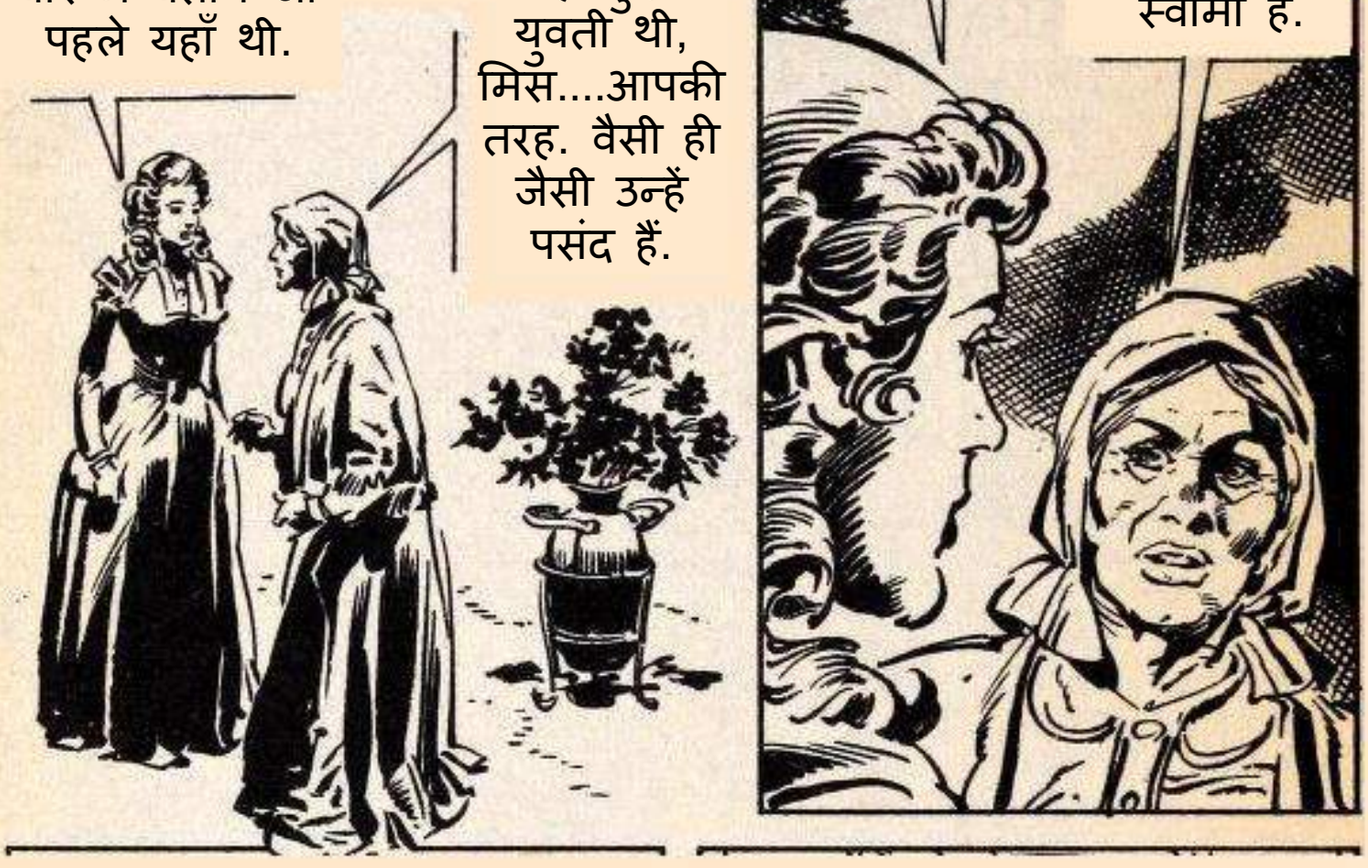

वह सुंदर युवती थी फिर भी उसकी मृत्यु हो गई! कैसे?

मैं नहीं जानती, मिस.

वह छुट्टी लेकर घर गई थी. लेकिन लौट कर नहीं आई. मैंने सुना कि उसकी मृत्यु हो गई थी. मिस....अब क्षमा करें. मुझे अपना काम करना है.

मैं माइल्स को लेने स्टेशन गई. वह प्रतीक्षा कर रहा था.

कितना सुंदर लड़का है - लगता है प्यार के अतिरिक्त इसने जीवन में कुछ भी अनुभव न किया होगा.

माइल्स शीघ्र ही घर पहुँच गया.

उस पत्र में लिखे एक शब्द पर भी मुझे विश्वास नहीं. देखो कितना प्यारा है.

यही तो मैंने कहा था, मिस.

आप उस पत्र का क्या उत्तर देंगी?

कुछ भी नहीं.

उसके चाचा से आप क्या कहेंगी?

कुछ भी नहीं.

उस लड़के से कुछ कहेंगी?

बिल्कुल नहीं.

मैं गाँव की गरीब पादरी की बेटी थी. मुझे जीवन का ख़ास अनुभव न था. अब सोच कर आश्चर्य होता है कि उन दिनों मैं समझे बैठी थी कि माइल्स को दुनिया के बारे में मैं कुछ सिखा पाऊँगी.

तब मैं आपका पूरा साथ दूंगी. धन्यवाद.

धन्यवाद!

और मैं भी प्रसन्न हूँ. अब समझ आ रहा है कि जीवन में खुशियाँ भी होती हैं. ऐसा सुंदर अनुभव मुझे पहले कभी न हुआ था.

लेकिन गर्मियों के उन सुंदर दिनों में सब कुछ कितना सरल दिखाई पड़ता था

बच्चे कितने स्वस्थ और प्रसन्न हैं.

बच्चे सो जाते तो मैं घर के चारों ओर टहलने निकल जाती थी.

.क्या पता कभी अचानक ऐसे ही टहलते-टहलते मेरी भेंट घर के स्वामी से हो जाए. मुझे देख कर वह मुस्करायेंगे और कहेंगे कि मैं कितने अच्छे से अपना काम कर रही हूँ.

एक शाम मैंने एक नए व्यक्ति को टावर पर देखा.

क्या वहां कोई है? क्या स्वामी हैं?

नहीं, मैंने इसको पहले कभी नहीं देखा! कौन है? किस तरह घूर रहा है!

फिर वह पीछे हट गया. मैं बहुत देर तक घूमती रही पर मुझे कुछ समझ नहीं आया.

क्या वह कोई संबंधी है, या कोई कैदी? या फिर कोई अजनबी?

अगर मैंने मिसेज़ ग्रॉस को बताया तो वह डर जायेंगी. मैं अभी चुप रहूंगी और निगरानी रखूंगी.

शीघ्र ही मुझे विश्वास हो गया कि मिसेज़ ग्रॉस उस आदमी के बारे में कुछ नहीं जानती थीं. मैं भी उसे भुला ही बैठी.

तुम पढ़ने में कितने अच्छे हो. तुम्हें पढ़ाने में मुझे बड़ा आनंद आता.

एक शाम मिसेज़ ग्रॉस और मैंने बाहर जाने का सोचा.

मैं चर्च जा रही हूँ. क्या तुम तैयार हो?

हाँ, बच्चे सोने चले गए हैं. आप थोड़ी प्रतीक्षा करें, मैं अपने दस्ताने ले आऊँ.

मैं झटपट डाइनिंग रूम की ओर गई जहां मेरे दस्ताने रखे थे. अचानक.....

वही चेहरा! वही आँखें! वह किसे ढूंढ रहा है?

मैं बाहर भागी.

वह जा चुका है!

मैंने जानना चाहा कि वह क्या देख रहा था.

मिसेज़ ग्रॉस मुझे ढूंढ रहीं हैं...और मैंने उन्हें डरा दिया है.

वह बाहर भागीं, मेरी तरह.

क्या बात है? आप घबराई हुई हैं?

खिड़की से एक अजीब तरह का आदमी झाँक रहा था. मैंने उसे पहले भी देखा था, टावर के ऊपर.

सुंदर था लेकिन सज्जन नहीं...एक अभिनेता जैसा था, उसके बाल लाल रंग के थे, मूंछे थीं, लंबा, पीला चेहरा, पतले होंठ.

पीटर क्विंट, घर के स्वामी का नौकर, जब वह यहाँ रहते थे.

फिर स्वामी चले गये. क्विंट को यहीं छोड़ गये....देखरेख के लिये.

फिर क्या हुआ? क्विंट कहाँ गया?

भगवान जाने. उसकी मृत्यु हो गयी.

वह मर गया? क्विंट मर गया?

हम चर्च जाना भूल गये. क्लास-रूम में बैठ कर देर तक बातें करते रहे.

वह बच्चों को ढूंढ रहा था - माइल्स को. हमें उनकी रक्षा करनी होगी.

लड़के के साथ उसका बहुत मेलजोल था - सबके साथ.

आपने बच्चों के चाचा को क्यों नहीं बताया?

मैं डर गयी थी. उन्हें शिकायतें अच्छी नहीं लगतीं. और क्विंट बहुत चालाक था.

आश्चर्य है, बच्चों ने कभी क्विंट की बात नहीं की....उसका नाम तक नहीं लिया.

उस रात हमने तय किया कि हम इकट्ठे इस मुसीबत का सामना करेंगी. बच्चों की रक्षा करने के लिये मैं कुछ भी करने को तैयार थी.

एक शाम फ्लोरा के साथ मैं अकेली ही झील के पास थी.

क्या हम इस झील का नाम अजोफ़ सागर रख दें?

हाँ.

यहाँ कोई और भी है, मैं जानती हूँ

मैंने सामने देखा. एक औरत दिखाई दी.

मैंने फ्लोरा की ओर देखा. उसकी पीठ उस औरत की तरफ थी.

.लेकिन फ्लोरा जानती है कि औरत यहाँ है. पर वह नहीं चाहती कि मुझे पता चले या मैं उसे देखूं

जैसे ही संभव हुआ मैं मिसेज़ ग्रॉस के पास आई.

वो जानते हैं..... बच्चे जानते हैं.

क्या हुआ.....?

आज जब हम झील के पास थे तो एक औरत दिखाई दी. वह पहले वाली गवर्नेस ही होगी.

क्या फ्लोरा ने ऐसा बताया?

नहीं, वह कोशिश कर रही थी कि मैं उसे देख ही न पाऊं.

फिर आप कैसे कह सकती हैं कि वह कौन थी?

जिस तरह वह देख रही थी उसी से अनुमान लगाया. उसने काले कपड़े पहने थे. वह सुंदर थी पर उसकी आँखें डरावनी थीं.

वह मिस जैस्स्ल होंगी. वह और क्विंट दोनों ही दुष्ट थे.

दोनों? मिस जैस्स्ल, फ्लोरा को अपने वश में करना चाहती है. आप मुझे सारी बात बतायें, अभी.

क्या क्विंट और जैस्स्ल के बीच कुछ चल रहा था?

हाँ, हालाँकि मिस जैस्स्ल का स्थान ऊँचा था.

क्विंट सबसे मनमानी करता था लेकिन बेचारी जैस्स्ल को ही इस बात की सज़ा मिली.

मैं बच्चों की रक्षा कैसे करूंगी? इस मुसीबत से उन्हें बचाना ही होगा.

कल्पना? क्विंट की मृत्यु हो गई है. मिस जैस्स्ल की मृत्यु हो गई है. फिर भी मैंने उनको देखा....मेरी बात सुन आप भी उनको पहचान गयीं.

यह आपकी कोरी कल्पना भी हो सकती है.

मैंने अपने आंसू रोकने की कोशिश की और बच्चों के पास आ गई.

ओह, क्या आप रो रहीं थीं?

उनके सुंदर मुखड़े देखकर उनके भोलेपन के अलावा किसी बात पर विश्वास ही नहीं होता था.

बाद में मिसेज़ ग्रॉस और मैं देर रात तक बातें करती रहीं.

आपने कहा था कि माइल्स थोड़ा शरारती है. उसने क्या किया था?

उसने उन बातों से इंकार किया जो मैं जानती थी कि सच हैं.

जैसे कि क्विंट के साथ उसका मेलजोल था, पर मुझसे कहा कि ऐसा नहीं है. लगता था कि क्विंट उसका शिक्षक था और मिस जैस्स्ल, फ्लोरा की.

और आप देख सकती थीं कि उसे उन दोनों के बीच के रिश्ते का पता होगा?

और आपको लगा कि माइल्स को दोनों के बीच के सम्बन्ध की जानकारी थी? लेकिन वह इस बात को छिपा रहा था?

मुझे नहीं पता...कुछ नहीं पता.

लेकिन आप लड़के को दोषी नहीं मान सकतीं.

नहीं, मैं उसे दोषी नहीं मानती. पर मुझे निगरानी रखनी पड़ेगी.

मैंने बच्चों से कभी इतना प्यार नहीं किया था जितना अब कर रही थी. मुझे प्रसन्न करने के लिये बच्चों ने भी इतनी मेहनत पहले कभी न की थी. उनकी पढ़ाई अच्छी चल रही थी.

माइल्स, एक भी गलती नहीं है. बहुत बढ़िया.

मेरे लिये वह छोटे-छोटे नाटक भी करते थे. कभी वे पशु बन जाते.

गर्रर.

कितने अच्छे बाघ हो तुम!

कभी वे शेक्सपियर के नाटक में रोमन बन जाते.

हम सीज़र को दफनाने आये हैं, उसकी प्रशंसा करने नहीं.

या कभी वे नाविक बन जाते.

कप्तान, क्या दिखाई दे रहा है?

अभी कुछ नहीं....लेकिन तुम जहाज़ चलाते रहो.

माइल्स को किसी दूसरे स्कूल भेजने का कोई प्रयास मैंने नहीं किया था.

वह इतना होशियार है कि मुझ जैसी साधारण गवर्नेस भी उसे बिगाड़ नहीं सकती.

फिर एक ऐसी रात आई जिसके बीत जाने के बाद मैंने सिर्फ कष्ट ही झेले. मैं देर तक पुस्तक पढ़तीं रही थी. भोर होने वाली थी.

कुछ गड़बड़ है. मुझे कुछ ठीक नहीं लग रहा.

बिना आवाज़ किये मैंने किताब बंद की, हॉल में आई, पीछे दरवाज़ा बंद किया.

सीढ़ियों पर कुछ था जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था.

अचानक मेरी मोमबत्ती बुझ गई. लेकिन भोर की हल्की रोशनी में कोई दिखाई दिया.

वह क्विंट था. मैं जानती थी. फिर वह मुड़ा और गायब हो गया.

मैं भयभीत न थी और अब वह जा चुका है.

मैं अपने कमरे में लौट आई और तब मुझे डर लगने लगा.

फ्लोरा.....वो कहाँ चली गई.

फिर मैंने एक आवाज़ सुनी और फ्लोरा खिड़की की तरफ से मेरे पास आई.

आप कितनी नटखट हैं.....आप कहाँ थीं? मैंने एक आवाज़ सुनी थी.

मुझे लगा मैंने आवाज़ सुनी थी.

मैं ही उसे समझाने लगी. पर मुझे विश्वास था कि वह झूठ बोल रही थी.

तुम्हें लगा कि मैं बाहर टहल रही हूँ?

हाँ, मुझे लगा कि कोई टहल रहा था.

अब मैं रात में तब तक निगरानी रखती जब तक कि मुझे नींद नहीं आ जाती.

मैं चुपचाप अँधेरे कमरों में चलती.

पर क्विंट दुबारा दिखाई नहीं दिया. लेकिन एक रात मैंने किसी और को देखा.

यह तो मिस जैस्स्ल है! कितनी उदास लग रही है!

कई रातें मैंने ऐसे ही बिताईं. मैं थक चुकी थी. ग्यारहवीं रात मैं जल्दी सो गई. अचानक मैं उठी, जैसे किसी ने झकझोर कर जगाया हो.

किसी ने मोमबत्ती बुझा दी है, फ्लोरा.

मैं उछल पड़ी.

वह यहाँ नहीं है.

मैंने खिड़की की ओर देखा. वह खिड़की के पास थी.

जो कुछ भी वह देख रही है उससे संपर्क बनाये हुए है.

मैं चुपचाप बेडरूम के दरवाज़े के पास आई.

मैं माइल्स के कमरे के पास रुकी. क्या वह बिस्तर में था?

मुझे किसी खिड़की के पास जाकर देखना होगा कि वह बाहर क्या देख रही है.

वह सो रहा होगा. उसे तंग नहीं करना चाहिए.

मैं टावर के नीचे वाले कमरे में गई. मैंने बाहर लॉन की ओर देखा.

माइल्स! वह ऊपर की ओर देख रहा है? ऊपर क्विंट ही होगा.

मैं तुरंत नीचे गई. माइल्स मेरे पास दौड़ा आया.

हमने कोई बात नहीं की और मैं उसे कमरे में ले आई.

अब मुझे सच-सच बताओ. तुम बाहर क्यों गये थे?

अगर सच बताऊँ तो क्या आप समझ पाओगी?

इसलिये कि आपको एक बार तो लगे कि मैं बुरा लड़का हूँ.

तुमने कपड़े भी नहीं बदले?

नहीं, मैं आधी रात तक पढ़ता रहा. जब मैं बुरा हूँ, तो बुरा ही हूँ.

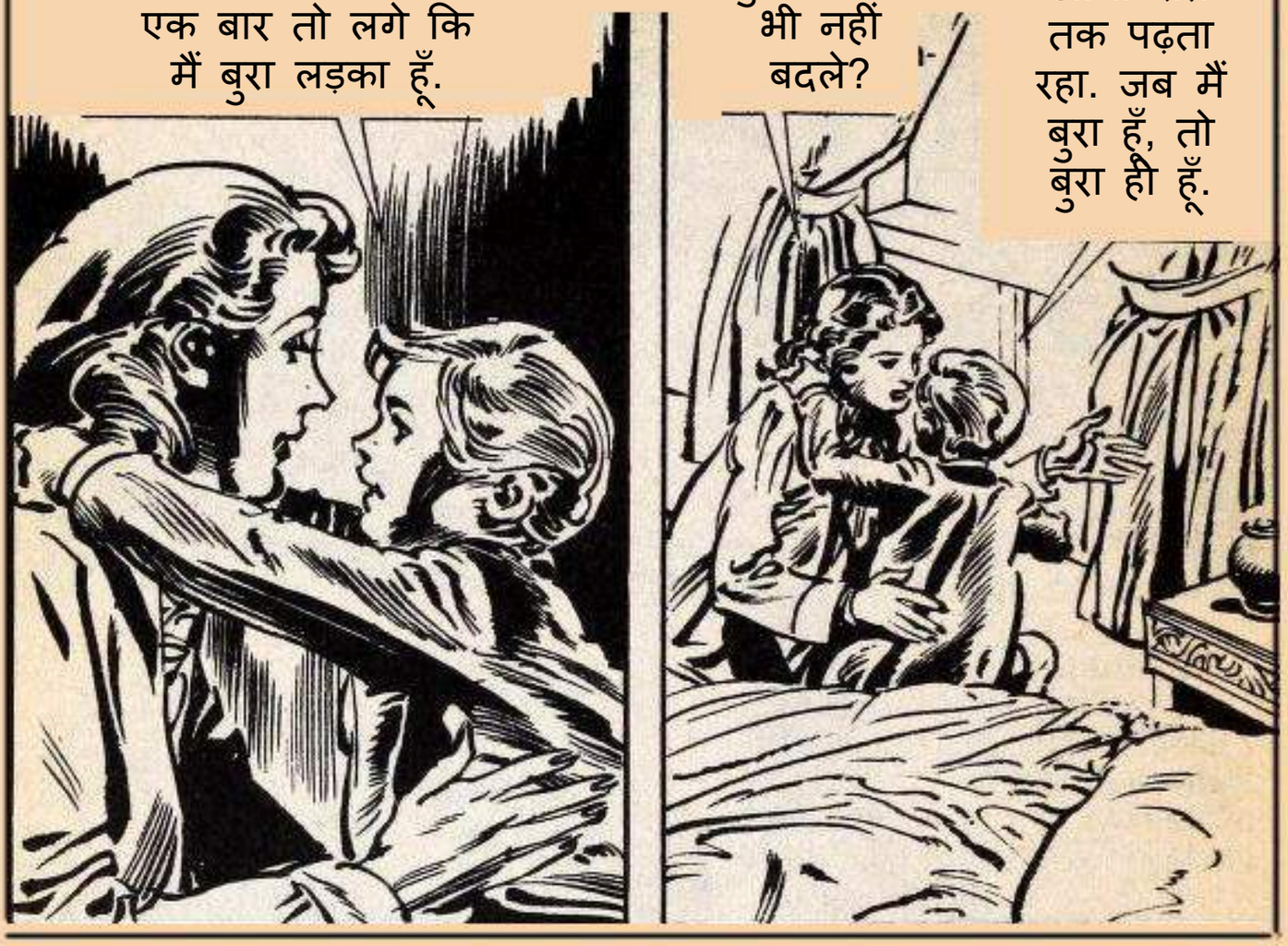

मैंने फ्लोरा के साथ तय किया था. वह मुझे ढूढेंगी फिर आपको जगायेगी ताकि आप मुझे देख लें!

वही मैंने किया भी और तुम्हें रात में ठंड लग गई.

अब आप समझ रहीं हैं, मैं कुछ भी कर सकता हूँ.

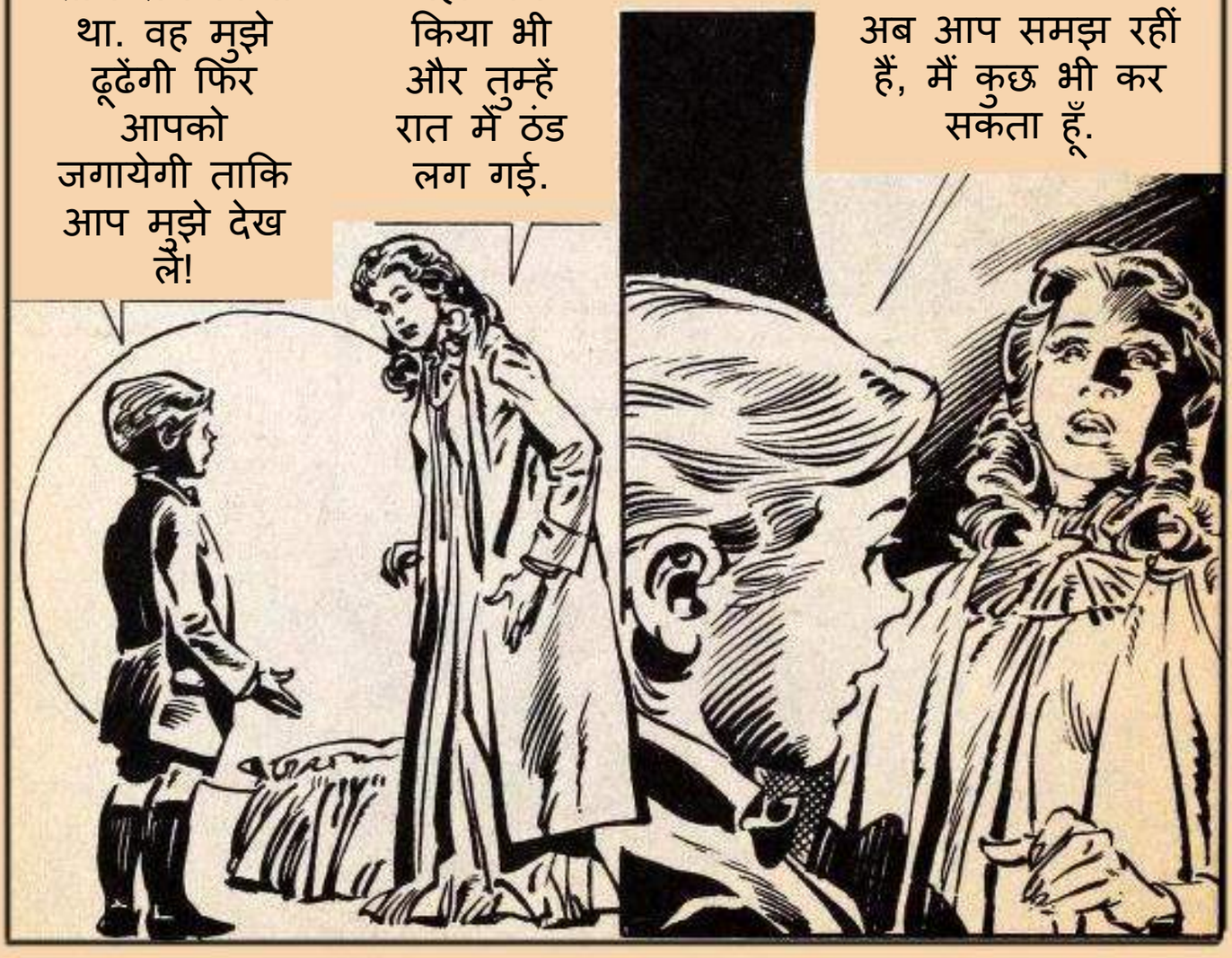

अगले दिन बहुत देर के बाद ही मिसेज़ ग्रॉस को मैं रात की घटना के बारे में बता पाई.

वह चारों आपस में मिलते रहते हैं. मुझे पूरा विश्वास है. वह कुछ पढ़ कर नहीं सुना रहा.....वह उनके बारे में बातें कर रहे हैं.

हे भगवान, आप कितना बदल गयी हैं.

आप मुझे पागल समझती हैं, लेकिन मैं हैरान हूँ कि यह सब देखकर मैं पागल क्यों नहीं हो गई.

लेकिन क्विंट और जैस्स्ल ऐसा क्यों कर रहे हैं? वह क्या चाहते हैं?

अनर्थ करने के लिए वह कुछ भी कर सकते हैं. इसी कारण दोनों वापस आते हैं.

हाँ, दोनों बहुत बुरे थे. लेकिन अब क्या कर सकते हैं?

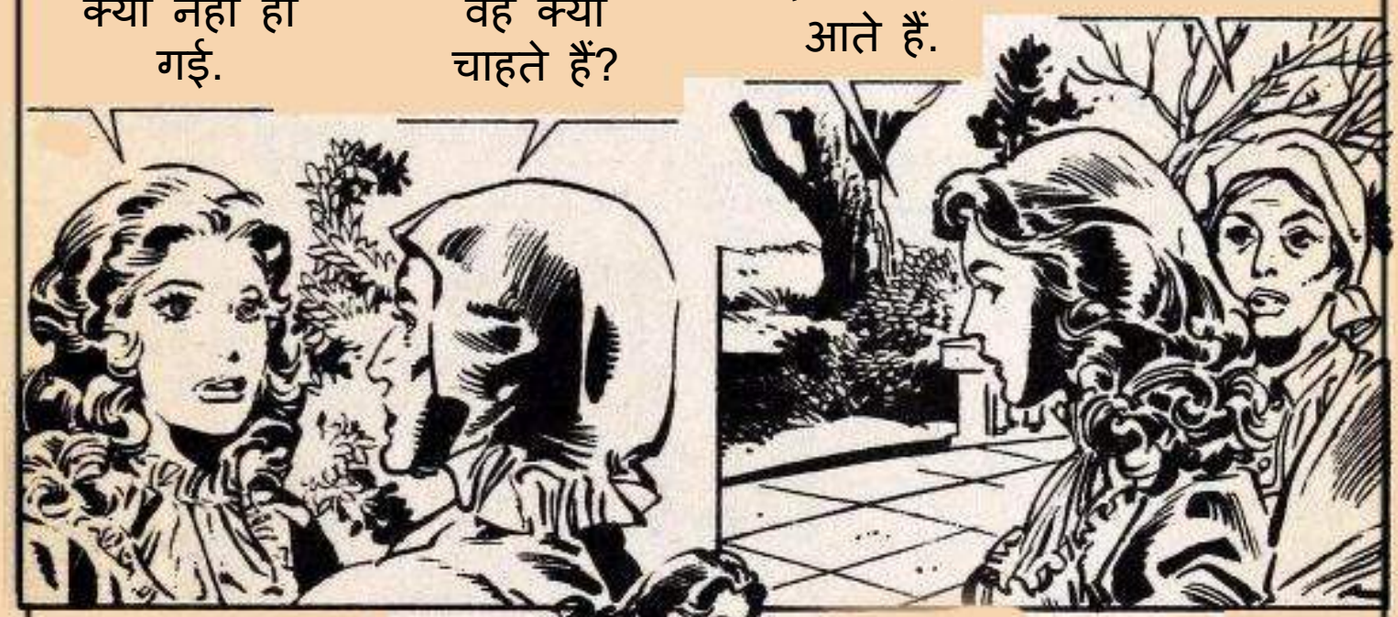

क्या कर सकते हैं? वह बच्चों को मार सकते हैं. वह हमेशा खतरनाक जगहों पर ही दिखाई देते हैं.

वह टावर पर आते हैं, छत के ऊपर, खिड़की के बाहर, झील के पास.....जहां खतरा हो वहीँ दिखाई देते हैं.

बच्चों को लुभाते हैं?

ताकि बच्चे उनके पीछे आयें और इस प्रयास में मारे जाएँ. पर हम इसे रोक सकते हैं.

उनके चाचा को कुछ करना होगा. उन्हें सब बता दो, मिस.

बताऊँ कि बच्चे पागल हो गये हैं. या मैं पागल हो गई हूँ. मैं उन्हें परेशान नहीं कर सकती.

मैंने स्वामी के नियमों का पूरा पालन किया था. अब मैं फेल होना नहीं चाहती थी.

नहीं, कभी नहीं. अगर तुमने उन्हें बताया तो मैं यह काम छोड़ दूंगी.

ठीक है मिस, जैसा आप कहें.

अंत में एक दिन, जब हम चर्च जा रहे थे, माइल्स ने ही बात शुरू की.

मैंने कोशिश की पर बच्चों से इस विषय पर बात न कर पाई.

कल रात थोड़ा पाला पड़ा था, लगता है पतझड़ शुरू हो रहा है.

क्या मैं स्कूल वापस जाऊँगा?

मेरी आयु के लड़के को एक युवती के साथ हर समय नहीं रहना चाहिए, चाहे वह आपके समान अच्छी ही क्यों न हो.

मैं तुम्हारी बात समझ रही हूँ. क्या तुम स्कूल में खुश थे?

मैं हर जगह प्रसन्न रहता हूँ. लेकिन मैं और सीखना चाहता हूँ और अपने जैसों के साथ रहना चाहता हूँ.

पर यहाँ ऐसे बच्चे नहीं हैं, माइल्स!

क्या चाचा जानते हैं कि मैं अभी यही हूँ?

तुम्हारे चाचा? मुझे लगता है कि उन्हें परवाह नहीं.

ऐसा है तो मैं उन्हें विवश कर दूंगा.

यहाँ आने के लिए उन्हें मजबूर कर दूंगा.

क्या तुम ऐसा करोगे?

माइल्स सही था. पर उसके चाचा को कुछ बताने का साहस मुझ में न था. मुझे समझ न आया कि मैं क्या करूं.

मुझे यहाँ से भाग जाना चाहिए. यही ठीक होगा. इस समय मुझे रोकने के लिये घर में कोई न होगा.

मैं झटपट घर के भीतर आई. घर खाली था. सब नौकर चर्च गये हुए थे.

मुझे सारा सामान इकट्ठा करना है. सब तुरंत करना होगा.

फिर मैं सीढ़ी पर बैठ गई.

एक बार फिर सोच लूँ.

नहीं, इसी जगह वह डरावनी औरत बैठी हुई थी.

मैंने साहस से काम लिया और ऊपर आ गई. अपना सामान लेने के लिए क्लास-रूम में गई.

मैंने दरवाज़ा खोला.

भीतर कोई है.

अंदर मिस जैस्स्ल थी. वह मेरी कुर्सी पर बैठी थी. पर यह कुर्सी उसकी भी थी.

ओह नहीं... .नहीं, नहीं.

वह धीरे से उठी. वह मुझे चेतावनी-सी दे रही थी.

ओ डरावनी औरत.....

अगले ही पल वो गायब हो गई.

वो फ्लोरा को ले जाना चाहती है. मैं यहीं रह कर उसका सामना करूंगी.

जब सब लौट आये तो मैंने किसी से कुछ न कहा. चाय से पहले मैंने मिसेज़ ग्रॉस से बात की.

बच्चों ने कहा था कि मैं आप से कुछ न कहूँ. उन्हें लगा कि यही आपको अच्छा लगेगा. लेकिन आप चली क्यों गईं थीं?

मैं एक मित्र से मिलने के लिये वापस आई.

कौन सा मित्र?

ओह, हाँ! मिस जैस्स्ल क्लास-रूम में मेरी प्रतीक्षा कर रही थी

क्या उसने तुम से बात की? उसने क्या कहा?

.कि वह एक भटकती आत्मा है. वो बहुत कष्ट सह रही है और अपने कष्ट फ्लोरा के साथ बांटना चाहती है.

उससे कुछ फर्क नहीं पड़ेगा. मैंने मन बना लिया है. मैं उनके चाचा को बुलाऊंगी.

ठीक है मिस. वही करें!

लेकिन स्कूल से आये पत्र के बारे में तो उन्हें न बताओगी.?

मुझे बताना ही होगा. माइल्स बहुत अच्छा है लेकिन वह एक बुरी आत्मा के वश में है.

यह उसके चाचा की गलती है जो उन्होंने ऐसे लोगों को यहाँ की देख-रेख के लिये रखा था.

मौसम बदल गया. मैं हवा और बारिश की आवाज़ सुनती रही.

ठीक है, मिस, जो उचित लगे वही करें. हाँ

, आज रात मैं पत्र लिख दूंगी.

हाँ, मुझे पत्र लिखना चाहिये. पर मैं लिखूं क्या?

आखिरकार मैं हाल में गई और सुनने लगी.

क्या माइल्स जाग रहा है? क्या उनसे बातें कर रहा है?

अचानक.....

हेलो, भीतर आ जाओ.

मोमबत्ती थामे मैं भीतर आ गई.

आप बाहर क्या कर रहीं थीं?

तुम्हें कैसे पता चला कि मैं बाहर थी?

मैंने आपकी आवाज़ सुनी.

क्या तुम सो नहीं रहे थे?

नहीं, मैं जागा रहता हूँ और सोचता रहता हूँ....आपके बारे मैं और हमारे इस अजीब मामले के बारे में.

जिस तरह आप हमारी देख-भाल कर रही हैं उस के बारे में सोचता हूँ और अन्य बातों के बारे में भी.

अन्य बातें? क्या कहना चाहते हो? तुम स्कूल जाना चाहते हो तो जा सकते हो. पर पुराने स्कूल नहीं जा सकते.

मैं कैसे समझ पाती कि तुम स्कूल जाना चाहते हो? तुमने स्कूल के विषय में कभी बात ही नहीं की.

क्या मैंने बात नहीं की? मैं यहाँ से जाना चाहता हूँ.

मेरे चाचा को आकर सारी बातें ठीक करनी पड़ेंगी.

हाँ, लेकिन तुम्हें सब कुछ बताना पड़ेगा...जो तुमने मुझे नहीं बताया!

प्रिय माइल्स, क्या तुम कुछ भी बताना नहीं चाहते?

मैंने सुबह ही कहा था कि मुझे अकेला छोड़ दें.

मैं धीरे से उठ खड़ी हुई.

मैं तुम्हारे चाचा को पत्र लिख रही हूँ.

ठीक है, पत्र पूरा कर लें.

लेकिन उसे अकेला छोड़ जाने का मेरा मन न हो रहा था.

मेरे बच्चे, तुम्हें कष्ट पहुंचाने के बजाय मैं मर जाना पसंद करूंगी. मेरी मदद करो ताकि मैं तुम्हें इस मुसीबत से बचा लूँ.

अचानक कमरा हिल-सा गया. ज़ोर का धमाका हुआ. बर्फीली हवा का झोंका आया. माइल्स की चीख मैं सुन ही न पाई.

मैंने अँधेरे में इधर-उधर देखा. परदे हिलना बंद हो गये थे. खिड़की बंद थी.

मोमबत्ती क्यों बुझ गई?

मैंने बुझा दी.

अगले दिन बच्चों ने बहुत अच्छे से पढ़ाई की.

पढ़ाई पूरी होने के बाद ही मिसेज़ ग्रॉस मुझ से बात कर पाईं.

मिस, क्या आपने पत्र लिख दिया?

हाँ, मैंने पत्र लिख दिया है.

मैंने यह नहीं बताया कि पत्र अभी भी मेरी जेब में ही था.

लंच के बाद.....

मिस, क्या मैं पियानो बजा करा आपको सुनाऊं?

हाँ, ज़रूर!

माइल्स पियानो बहुत ही अच्छा बजा रहा था. आधे घंटे तक मैं वहीं बैठी संगीत का आनंद उठाती रही.

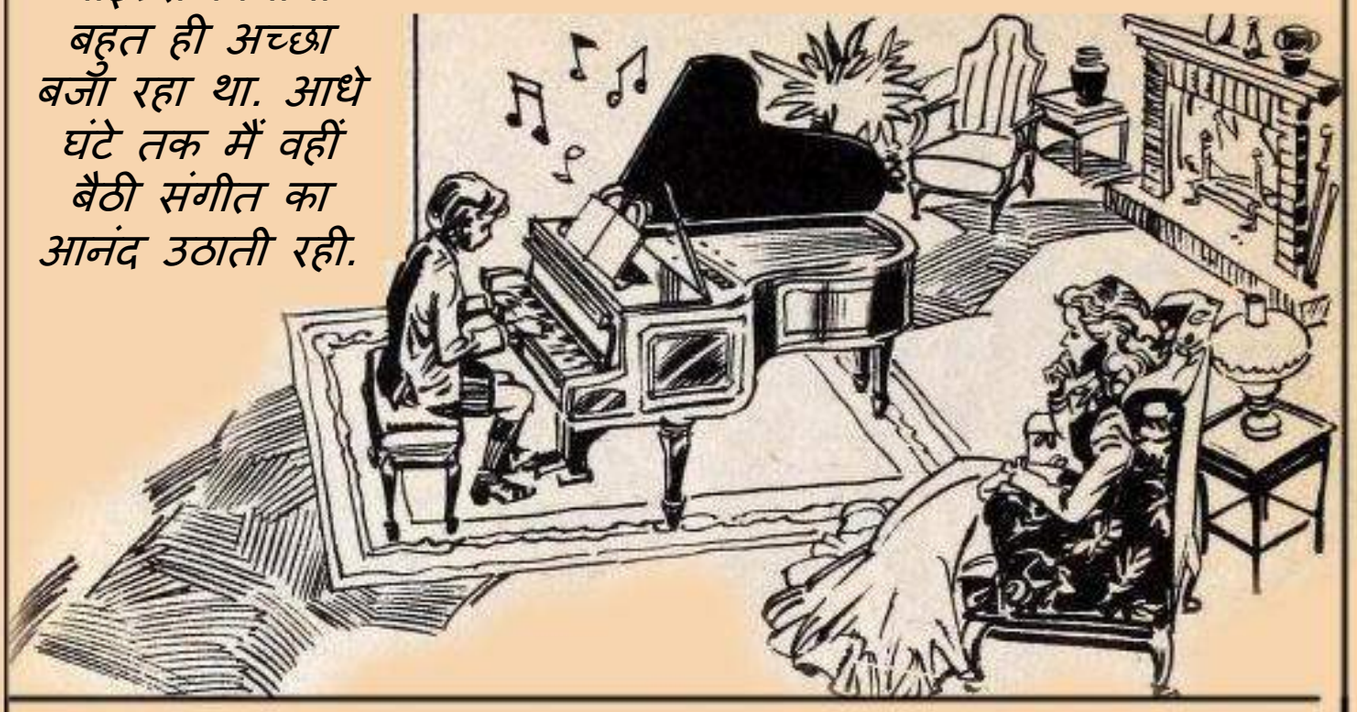

अचानक मैं उठ खड़ी हुई.

फ्लोरा कहाँ है?

क्यों, मुझे कैसे पता होगा?

मैं अपने कमरे की ओर भागी.

फ्लोरा यहाँ नहीं है.

मैंने आसपास के कमरों में देखा.

यहाँ भी नहीं है.

मैं मिसेज़ ग्रॉस के कमरे की ओर भागी.

वह मिसेज़ ग्रॉस के साथ होगी.

लेकिन वह वहां भी न थी.

क्या फ्लोरा आपके साथ नहीं है?

नहीं, मैंने समझा था कि वह आपके साथ होगी.

हम अन्य नौकरों से पूछने चल पड़ीं. फिर हॉल में दुबारा मिलीं.

नौकरों ने उसे नहीं देखा.

किसी ने उसे नहीं देखा. वह अवश्य ऊपर ही होगी.

नहीं, वह उसी औरत, मिस जैस्स्ल, के साथ बाहर चली गई है.

उसके साथ बाहर गई है?

और माइल्स कहाँ है?

ओह, वह क्विंट के साथ है, अपने क्लास-रूम में. यह उन दोनों की एक चाल थी, वह सफल हुए.

मैं अपना पत्र यहाँ छोड़े जा रही हूँ. किसी से कहना कि इसे डाकघर ले जाए. मैं फ्लोरा को ढूँढने जा रही हूँ.

बाहर बहुत ठंड है, कोई गर्म कपड़ा पहन लो!

मैं ऐसा नहीं कर सकती. देर हो जायेगी. मेरे साथ आओ या फिर उनके साथ यहीं रहो.

मिसेज़ ग्रॉस डर के मारे मेरे साथ आ गईं. मैं उन्हें झील की ओर ले आई.

यहाँ कोई दिखाई नहीं दे रहा.

वह नाव में उस पार चली गई है.

हम झील के किनारे चलने लगे. रास्ते पर बहुत झाड़ियाँ थीं.

मैं चल न पाऊँगी.

बस थोड़ा और चलना है. आपके साथ होने से मुझे बहुत हिम्मत मिल रही है.

हम झील के दूसरी ओर पहुँच गए. वहां एक बाड़ा था जिसमें एक फाटक भी था. तभी.....

वो रही.....

मिसेज़ ग्रॉस झटपट आगे आयी.

फ्लोरा, मेरी बच्ची क्या तुम ठीक हो?

हाँ, माइल्स कहाँ है?

जैसा माइल्स के साथ हुआ था, वैसा यहाँ भी हुआ और सारी बात खुल कर सामने आ गई.

अगर मेरे प्रश्न का उत्तर दोगी तो मैं तुम्हें बता दूंगी. मिस जैस्स्ल कहां हैं?

नहीं.

No!

वह अचानक झील के पार दिखाई दी, उस दिन की तरह ही.

वहां! आप ने देखा उसको? निःसंदेह आप ने देखा है!

वहां है वो...वहां... और आप जानती हैं.

ओह मिस, आपको क्या दिखाई दे रहा है?

क्या हमारी तरह आप उसे नहीं देख पा रहीं? वह तो जैसे आग का शोला है.
वहां कोई भी नहीं है.
मेरी बच्ची, सब ठीक है. यह तो एक मज़ाक है. हम जानते हैं वहां कोई नहीं है.
मुझे कोई दिखाई नहीं दे रहा, कभी दिखाई नहीं दिया. मैं आपको पसंद नहीं करती.
ओह, मुझे यहाँ से ले चलो. इनसे दूर ले चलो.
यह बहुत बड़ी भूल है. हम अभी घर लौट जायेंगे.

झील के पार उस औरत की मौजूदगी को मैं महसूस कर रही थी. जो शब्द फ्लोरा बोल रही थी वह उसी से आ रहे थे.

मैं तुम्हारा विश्वास खो बैठी हूँ, फ्लोरा. मैंने पूरा प्रयास किया था पर कुछ न कर पाई.

मैं झील के किनारे बैठी रोती रही.

बहुत देर बाद मैं वहां से उठी.

कितनी देर मैं यहाँ बैठी रही? रात होने लगी है.

मैं अपने कमरे में लौट आई.

फ्लोरा की चीज़ें यहाँ से हटा दी गयीं हैं.

शाम का नाश्ता मैंने क्लास-रूम में ही किया. मैंने माइल्स के बारे में कोई बात न पूछी.

फिर भी आठ बजे के आसपास वह आया.

वह उदास-सा कुर्सी में बैठ गया. हम चुपचाप बैठे रहे. लेकिन मुझे लगा कि वह मेरे पास रहना चाहता था.

अगली सुबह मिसेज़ ग्रॉस मेरे कमरे में आईं.

क्षमा करना, मिस, लेकिन फ्लोरा बहुत परेशान है. मुझे डर है कि कहीं वो बीमार न हो जाए.

क्या मैं उसके पास जाऊं?

ओह मिस...उसे आप से डर लग रहा है...आप पर गुस्सा है!

अच्छा, तो इस तरह वह मुझ से झुटकारा पायेंगे! फ्लोरा अपने चाचा से कहेगी कि मैं कितनी बुरी हूँ.

और कैसी भद्दी भाषा में वह बोल रही है! उसने ऐसी बातें कहाँ से सीखीं?

बेशक उनसे!

आप फ्लोरा को यहाँ से दूर ले जाओ. उनसे दूर! उसके चाचा के पास, अभी.

ताकि चाचा से आपके बारे में उलटी-सीधी बातें कहे.

अगर माइल्स मेरे पास अकेला रहेगा तो शायद वह सब कुछ बता दे.....और मैं बच जाऊं. कल रात वह कुछ बताने ही वाला था.

तो मैं आज सुबह ही चली जाऊँगी.

तो क्या कल की घटनाओं के बावजूद आप मेरा विश्वास करती हैं?

मिस, कल मुझे कुछ भी दिखाई न दिया था. फिर भी इस बच्चे की डरावनी बातें सुन कर मुझे विश्वास हो गया.

एक बात और, आपके पहुँचने से पहले ही मेरा पत्र उसके चाचा को मिल जाएगा.

तुम्हारा पत्र तो गया ही नहीं. पत्र गायब हो गया है. पर नौकरों ने उसे हाथ तक न लगाया था.

तो क्या माइल्स ने पत्र चुरा लिया?

और कौन? स्कूल में भी यही करता होगा....चीज़ें चुराता होगा.

बाद में मैंने मिसेज़ ग्रॉस और फ्लोरा को घोड़ा-गाड़ी में जाते देखा.

अब मैं बिल्कुल अकेली हूँ.

माइल्स सारा दिन बाहर घूमता रहा. शाम के नाश्ते तक मैंने उसे नहीं देखा.

क्या फ्लोरा बहुत बीमार है?

इतनी बीमार नहीं कि तुरंत स्वस्थ न हो पाए. यह जगह उसके लिये ठीक न थी.

अब हम अकेले हैं.

ओह, शायद नहीं.

निःसंदेह यहाँ और भी हैं. और आप मेरे से भी ज़्यादा अकेली हैं. आप को बुरा तो नहीं लगता?

मेरे बच्चे, मैं तुम्हारे लिये यहाँ रुकी हूँ. मैं तुम्हारी मित्र हूँ. तुम्हारे लिए मैं कुछ भी कर सकती हूँ.

लेकिन मुझे लगता है कि आपको मुझ से कुछ चाहिए. आप चाहती हैं कि मैं आपको कुछ बताऊँ.

वह उछल कर खड़ा हो गया और उस खिड़की के पास आ गया जहां मैंने क्विंट को देखा था. अचानक वह मुझ से डरने लगा.

मैं आपको सब कुछ बता दूंगा, लेकिन अभी नहीं. मुझे बाहर जाने दीजिये.

बस मुझे इतना बता दो कि क्या तुमने मेरा पत्र मेज़ से उठाया था?

जैसे आकाश में बिजली चमकी वैसे ही क्विंट का चेहरा खिड़की के बाहर दिखाई दिया. मैंने माइल्स को बाहों में जकड़ लिया और उसका चेहरा खिड़की से दूर रखा.

हाँ, यह जानने के लिये कि आपने मेरे बारे में क्या लिखा था मैंने आपका पत्र उठाया था.

अचानक क्विंट का चेहरा गायब हो गया. क्या मैं जीत गई थी?

क्या स्कूल में भी तुम ने ऐसा किया था? क्या तुमने पत्र या दूसरी चीज़ें उठाईं थीं?

नहीं, जो लड़के अच्छे लगते थे उन्हें मैंने कुछ बातें कहीं थी.

और तुम्हारे अध्यापकों ने वह बातें सुन लीं.

हाँ, लेकिन मुझे नहीं लगता था कि वह बता देंगे. जो मैंने कहा था वह घर में नहीं बताया जा सकता.

अभी लड़ाई चल रही थी. क्विंट का चेहरा फिर दिखाई दिया. मैंने माइल्स को बाहों में भर लिया. उसके दिल की धड़कन मैं सुन पा रही थी.

नहीं..., वो तुम्हें वश में नहीं कर पायेगा.

क्या वो यहीं है? मुझे देख लेने दीजिये.

तुम किस की बात कर रहे हो?

पीटर क्विंट से.... वो शैतान. वो कहाँ है?

माइल्स ने सच कह दिया था. मेरी जीत हो गई थी. वो चेहरा फिर गायब हो गया. इस बार हमेशा के लिये गायब हुआ.

देखो....देखो, अब डरने की ज़रूरत नहीं.

माइल्स घूमा. उसे कुछ दिखाई न दिया. वह गिर पड़ा और बेहोश हो गया.

मैंने तुम्हें बचा लिया है.

मैं जीत गई हूँ.

लेकिन डर से मेरा हृदय कांप गया. मैं हार गई थी. माइल्स का दिल धड़कना बंद हो गया था....सदा के लिये.

अंत